दिनांक 29-11-2020 दिन रविवार को बाबू अनन्त राम जनता कॉलेजए कौलए कैथल के आंतरिक गुणवत्ता सुनश्चयन प्रकोष्ठ ; IQAC-Cell) एवं गणित.विभाग द्वारा आयोजित व उच्चतर शिक्षा निदेशालय हरियाणाए पंचकूला द्वारा प्रायोजित श्ई.लर्निंग की भूमिकारू अकादमिक चुनौतियां श विषय पर एवं प्राचार्य डॉ० ऋषिपाल की अध्यक्षता में एक दिवसीय राष्ट्र स्तरीय बहु विषयक वेबीनार का आयोजन किया गया । इस राष्ट्रीय वेबिनार में अनेकों मूर्धन्य विद्वानों एवं शोधार्थियों ने सक्रिय भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना से किया गया। प्रथम उद्घाटन सत्र में उपस्थित विद्वानों का वाचिक अभिनंदन महाविद्यालय के प्राचार्यए डॉ० ऋषिपाल जी के द्वारा और कार्यक्रम का संचालन गणित विभागाध्यक्षा एवं वेबिनार के संयोजिका डॉ० कोमल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता डॉ० राजेंद्र नाथए प्रोफेसरए कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभागए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालयए कुरुक्षेत्र ने ई लर्निंग को सरल एवं प्रभावशाली विधि से परिभाषित करते हुए कहा कि ई.लर्निंग को आईसीटी की एप्लीकेशन के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है । शैक्षिक प्रौद्योगिकी के मूल्यांकन के क्षेत्र में भी ई लर्निंग के अच्छे परिणाम सामने आए हैं । उन्होंने इस विषय पर आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि 1995 में 16 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता थे और 2019 में 4 बिलियन ;भारत में 56 करोड़द्ध से अधिक थे। 7.6 बिलियन में से 4.68 बिलियन मोबाइल फोन का उपयोग कर रहे हैंए जिसमें से 85% उपयोगकर्ता मोबाइल फोन के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। वह हमें 4। यानी ।।।। मॉडल भी देता है यानी किसी को भीए कभी भीए कहीं भीए किसी भी समय। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता रहे डॉ० राकेश कुमारए प्रोफेसरए कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभागए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालयए कुरुक्षेत्र ने अपने वक्तव्य में विभिन्न प्रकार की ई.लर्निंग पर चर्चा की जैसे कि कंप्यूटर मैनेजिंग लर्निंग ;ब्डस्द्धए कंप्यूटर असिस्टेड इंस्ट्रक्शन ;ब्।प्द्धए फिक्स्ड ई.लर्निंगए सहयोगी ऑनलाइन लर्निंग। उन्होंने ई.लर्निंग का उपयोग करके डिलीवरी के तरीके भी प्रस्तुत किए और सीएआई के डिज़ाइन के लिए टूल जैसे टेक्स्टए आइडियोए मल्टीपल चॉइसण्टेस्टए चैट सेशन और एक्सरसाइज आदि पर भी प्रकाश डाला । उन्होंने अपने वक्तव्य के अंत में उन महत्वपूर्ण चुनौतियों के बारे में भी अपने विचार व्यक्त किए जो विद्यार्थियों और शिक्षकों के सामने ऑनलाइन शिक्षा के अंतर्गत आती हैं ।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी के मूल्यांकन में भी ई-लर्निंग के आए अच्छे परिणाम :ऋषिपाल

समाचार क्यारी, कुरुक्षेत्र (अंजलि प्रजापति)। बाबू अनन्त राम जनता कॉलेज कौल के आंतरिक गुणवत्ता सुनश्चयन प्रकोष्ठएवं उच्चतर शिक्षा निदेशालय हरियाणा पंचकूला के संयुक्त तत्त्वावधान में %ई-लर्निंग की भूमिका= अकादमिक चुनौतियां विषय पर एवं प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल की अध्यक्षता में एक दिवसीय राष्ट्र स्तरीय बहु विषयक वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना से किया गया। प्रथम उद्घाटन सत्र में उपस्थित विद्वानों का वाचिक अभिनंदन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के द्वारा और कार्यक्रम का संचालन गणित विभागाध्यक्षा एवं वेबिनार के संयोजिका डॉ. कोमल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. राजेंद्रनाथ, प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने ई लर्निंग को सरल एवं प्रभावशाली विधि से परिभाषित करते हुए कहा कि ई-लर्निंग को आईसीटी की एप्लीकेशन के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है। शैक्षिक प्रौद्योगिकी के मूल्यांकन के क्षेत्र में भी ई-लर्निंग के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने इस विषय पर आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि 1995 में 16 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता थे और 2019 में 4 बिलियन (भारत में 56 करोड़) से अधिक थे। 7.6 बिलियन में से 4.68 बिलियन मोबाइल फोन का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें से 85 प्रतिशत उपयोगकर्ता मोबाइल फोन के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता रहे डॉ0 राकेश कुमार, प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने अपने वक्तव्य में विभिन्न प्रकार की ई-लर्निंग पर चर्चा की जैसे कि कंप्यूटर मैनेजिंग लर्निंग, कंप्यूटर असिस्टेडइंस्ट्रक्शन, फिक्स्ड ई-लर्निंग, सहयोगी ऑनलाइन लर्निंग। उन्होंने ई-लर्निंग का उपयोग करके डिलीवरी के तरीके भी प्रस्तुत किए और सीएआई के डिजाइन के लिए टूल जैसे टेक्स्ट, आइडियो, मल्टीपल चॉइस टेस्ट, चैट सेशन और एक्सरसाइज आदि पर भी प्रकाश डाला ।

BABU ANANT RAM JANTA COLLEGE, KAUL (KAITHAL)

(Affiliated to Kurukshetra University, Kurukshetra)

(NAAC Accredited 2nd Cycle with 2.85 Score)

www.barjckaul.com, E-mail: barjckaul@hotmail.com

ONE DAY NATIONAL WEBINAR (MULTIDISCIPLINARY)
on
ROLE OF E-LEARNING : ACADEMIC CHALLENGES

on

29th November, 2020 (Sunday)

at 11:00 am

Sponsored by :

DIRECTOR GENERAL HIGHER EDUCATION, PANCHKULA

Organised by:

Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

in collaboration with

Department of Mathematics

RESOURCE PERSONS

Dr. Rakesh Kumar
Professor
Dept. of Computer Science and Applications
KURUKSHETRA UNIVERSITY, KURUKSHETRA

Dr. Rajender Nath
Professor
Dept. of Computer Science and Applications
KURUKSHETRA UNIVERSITY, KURUKSHETRA

Dr. Rishi Pal
Principal

Ms. Komal Rani
Convener, IQAC